

# THE REMAKING TIMES

A mission to save lives and create a World Class Mumbai | Rs. 5|

## India's largest urban planning conference held in Mumbai CTBUH and RoMF's efforts to debate town planning a huge success

More than 1150 delegates from 16 countries, 72 global speakers and eminent government officials came under one roof to discuss the way forward to remake our cities in the CTBUH 2010 World Conference India held from the 3<sup>rd</sup>-5<sup>th</sup> Feb 2010 at the Renaissance Hotel and Convention Centre, Mumbai. The conference jointly organized by Remaking of Mumbai Federation and Council on Tall Buildings and Urban Habitat (CTBUH, USA) was a grand success as for the first time architects, engineers, planners,

redevelopment project of Bhendi Bazaar area by Saifee Bhurani Upliftment Trust was hugely appreciated and it showed that community engagement in redevelopment is crucial in transforming built cities.



Inauguration of the conference (l-r): Mayank Gandhi, Prince Fakruddin, Lalit Gandhi, Antony Wood, Sudhir Jambekar



Dongton Eco City- China

developers spoke the same language of building 'sustainable' cities for the future.

In the three day, completely packed conference, issues concerning remaking of already built cities and creation of new eco-friendly cities was extensively discussed. Day two of the conference was devoted to remaking of Mumbai and strategies to rectify the damage already done to Mumbai were debated. Mumbai's decision makers like Mr. Ratnakar Gaikwad, Commissioner MMRDA, Mr Swadhin Kshatriya, Commissioner MCGM, Gautam Chateerjee, CEO and VP, MHADA presented in front of the global audience their plans to rebuild our city. Their presentations



C Ward redevelopment proposal by IIT Chicago

International city plans were an eye opener to many Indian architects and planners and it made them realize that environment should be given top priority while designing cities. All future global cities focused on green buildings, pedestrian paths, cycling paths, solid waste management, solar and wind energy, innovative multi use buildings and dense Central Business Districts.



Rooftop as public space by architect Jason Pomeory  
Planners of Masdar (Abu Dhabi), Dongton (China), Songdu (Korea) shared their vision and provided some food for thought for our designers and government officials.

There were several technical presentations relating to building facades, elevators for tall buildings and advances in structural engineering. Great interest was shown by all in these presentations as well as in the exhibitions set up by related industries during the conference.

In this conference, a unanimous decision was taken to 'Remake Sustainable Cities in the Vertical Age' and all gaps between developers, architects, planners, engineers were bridged. Infrastructure planning now need not be only on the ground level but in fact should be taken to the sky, amenities need to be provided to all, whether it's on surface area or upper levels. Global architects made our architects realize the significance of environment and eco friendly technology and developers were made to understand that open spaces, parks and gardens only increase their profit potential. There was a clear consensus to stop vertical growth without



Green building design by Architect Ken Yeang

plan spoke of building interconnecting skyscrapers to encourage social interaction and skillfully accommodating various infrastructure needs like schools, commercial use, and residential use in one skyscraper. Also, the

enhancement of infrastructure. Innovative buildings ideas that are contextual were discussed and our architects became conscious of not just blindly aping the West. Everybody at the conference, be it developers, architects, planners, engineers, academicians or government officials spoke the same language of building **sustainable cities** and we now need to ensure that we take this uniform voice forward, bring about necessary policy changes and technology upgradation and turn our cities into world class habitats. With government officials present from Maharashtra, Gujarat, Karnataka, Delhi, Jammu and Kashmir and other states on all three days, this clear message was well received by all.

Alain Robert, international spiderman, known for illegally climbing skyscrapers across the globe also made his presence felt at the conference and was infact the star attraction! He has climbed the Petronas Tower, Malaysia, the Sears Tower, Chicago, the Taipei 101, Taiwan and has promised to do a similar act in Mumbai once we scale new heights.

For more information on the conference contact [remakingofmumbai@gmail.com](mailto:remakingofmumbai@gmail.com) or log onto [www.ctbuh2010-india.com](http://www.ctbuh2010-india.com)



A fresh batch of Architecture students from the Illinois Institute of Technology, Chicago, studied C-Ward for Redevelopment to present a plan in May 2010

**Become a supportive member of RoMF by paying a negligible fee of Rs. 10/-.**

**RoMF is looking for employees**

For more details contact:

**Remaking of Mumbai Federation**

161, Chhapawala Building, 1st floor,

Dadi Seth, Agyari lane, Chira Bazaar,

Mumbai 400002. Tel: 40497999

Email: [remakingofmumbai@gmail.com](mailto:remakingofmumbai@gmail.com)

website [www.romf.org](http://www.romf.org)

# द रीमेकिंग टाइम्स

एक मिशन: मुम्बई को बचाने और विश्वस्तरीय शहर बनाने का । रु. ५।

## शहरी योजना पर आधारित भारत की सबसे बड़ी कांफ्रेंस मुम्बई में संपन्न टाउन-प्लानिंग के बहस में सीटीबीयूएच और आरओएमएफ को मिली बड़ी सफलता

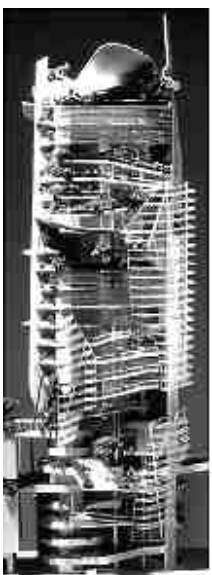
बीते दिनों में 16 देशों के 1,150 से ज्यादा प्रतिनिधि, 72 टॉप-क्लास के स्पीकर, उच्च पदों पर आसीन सरकारी अधिकारी एक साथ एक मंच पर आए सीटीबीयूएच 2010 वर्ल्ड कांफ्रेंस-इंडिया के साक्षी बने। इन सभी ने आर्किटेक्ट, बिल्डर-डेवलपर्स के साथ मिलकर 3 से 5 फरवरी तक मुम्बई के पर्वी स्थित रिनसेंस होटल में शहरों के रीमेकिंग पर अपने ज्वलंत विचार प्रस्तुत किए। इसका आयोजन रीमेकिंग आफ मुम्बई फेडरेशन (आरओएमएफ) और काउंसिल ऑन टॉल बिल्डिंग्स एंड अर्बन हैबिटेट (सीटीबीयूएच) के संयुक्त प्रयासों से हुआ जो अपने आप में एकदम हिट रहा। यह भारत में यह पहला मौका था जब वर्ल्ड-क्लास के आर्किटेक्ट, इंजीनियर, टाउन-प्लानर, डेवलपर सभी



डॉंगटन इको सिटी - चायना

ने एक ही सुर में 'भविष्य के लिए सुंदर और टिकाऊ शहरों' की वकालत की।

तीन दिनों तक खचाखच भरे बालरूम में विकसित किए जा चुके शहरों और भविष्य में विकसित होने वाले इको-फ्रेंडली शहरों के बारे में गहन तुलनात्मक चर्चा की गई। दूसरे दिन 4 फरवरी को चर्चा का विषय मुम्बई के रीमेकिंग पर केंद्रित रहा और लगभग पूरे दिन यही विचार-विमर्श हुआ कि शहर को जो क्षति पहुंचाई जा चुकी है, उस 'डेमेज' को 'कंट्रोल' कैसे किया जाए। मुम्बई के डिजीजन-मेकर एमएमआरडीए के कमिश्नर रत्नाकर गायकवाड़, बीएमसी के कमिश्नर स्वाधीन क्षत्रिय, म्हाडा के सीईओ और वाइस-प्रेसीडेंट गौतम चटर्जी ने भी मुम्बई शहर के री-बिल्डिंग का खाका देश-विदेश के हजारों एक्सपर्ट्स से बांटे। इनका संयुक्त रूप से यही कहना था कि



आर्किटेक्ट केन येंग द्वारा प्रस्तुत ग्रीन बिल्डिंग

ऐसा नहीं है कि हमारे पास इच्छाशक्ति की कमी है, बल्कि हमें हमारी प्लानिंग में स्पष्टता और मुम्बई की बाकी एजेंसियों में बेहतर सामंजस्य स्थापित करने की जरूरत है। आरओएमएफ ने इनर सिटीज के डेवलपमेंट के लिए क्लस्टर पद्धति के उपयोग को बेहद सही और जरूरी करार दिया और कहा कि 30 से 70 एकड़ वाले एरिया को ग्रुप में बांटकर हम समग्र रूप से रीडेवलपमेंट कर सकते हैं और उस एरिया के लोकल कैरेक्टर को भी बरकरार रख सकते हैं। सीटीबीयूएच के कार्यकारी निदेशक एंटनी वुड ने सी-वार्ड (कालबा देवी) के रीडेवलपमेंट का प्लान लोगों के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे इलिनॉयस इंस्टीट्यूट आफ टेक्नॉलाजी के उनके छात्रों द्वारा तैयार किया गया था। इस प्लान में सामाजिक क्रिया कलाप को बढ़ावा देने के लिए ऊंची बिल्डिंगों का आपस में कनेक्शन और इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरतों जैसे कि स्कूल, कमर्शियल प्रिमाइसेज के बेहतर तालमेल को समझाया गया। इसके साथ ही सैफी बुरहानी अपलिफ्टमेंट ट्रस्ट द्वारा

लिए गए भिंडी बाजार के प्रोजेक्ट की जमकर सराहना हुई। इससे यह साबित हो गया कि शहरों के कार्यांतरण में सामुदायिक सहयोग की भावना का कितना महत्व होता है।



आई आई टी शिकागो द्वारा प्रस्तुत सी वार्ड रिडेवलपमेंट प्लान

अंतर्राष्ट्रीय सिटी प्लानरों ने देसी आर्किटेक्टों और प्लानरों की आंखें खोल देने वाले स्पीच दिए और उन्हें महसूस कराया कि शहरों की डिजाइनिंग में पर्यावरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भविष्य के सभी ग्लोबल शहरों के लिए ग्रीन बिल्डिंग, राहगीरों के लिए फुटपाथ, साइकिल के लिए रास्ते, सालिड वेस्ट मैनेजमेंट, सौर और पवन ऊर्जा तथा सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट्स की अनिवार्यता बताई गई। मैसडार (अबू धाबी), डॉंगटन (चीन), सोंगडू (कोरिया) के प्लानरों ने भारतीय प्लानरों और सरकारी अधिकारियों के समक्ष अत्यंत



आर्किटेक्ट जेसन पोमेरी द्वारा प्रस्तुत रुफटॉप अँज पब्लिक स्पेस की उपयोगी जानकारी मुहैया कराई। बिल्डिंग की दीवारों, ऊंची बिल्डिंगों के लिफ्ट और उसमें प्रयुक्त होने वाली एडवांस स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग के इस्तेमाल को प्रजेंटेशन के माध्यम से समझाया गया। इस कांफ्रेंस की सार्थकता इसी बात से साबित हो जाती है कि सभी एक्सपर्ट्स ने एक दूसरे के विचारों और प्रजेंटेशन को ध्यानपूर्वक सुना और सवाल-जवाब किया।

इस कांफ्रेंस की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसमें 'रीमेकिंग सस्टेनेबल सिटीज इन द वर्टिकल एज' का फैसला लिया गया जिसमें सभी डेवलपर, आर्किटेक्ट, प्लानर्स, इंजीनियरों के बीच की खाई पाटने की सफल कोशिश की गई। यह भी एकमत होकर फैसला लिया गया कि इन्फ्रास्ट्रक्चर की प्लानिंग अब जमीनी स्तर पर ही नहीं बल्कि अब इसे आसमानी स्तर पर भी लागू करने की जरूरत है जिसमें सर्फेस-लेवल और अपर-लेवल के लोगों को समान सुविधाएं मिलें। विदेशी आर्किटेक्टों ने देसी आर्किटेक्टों और बिल्डरों को महसूस कराया कि ईको-फ्रेंडली पर्यावरण और ओपेन-स्पेस, पार्किंग, बगीचे, रोड, पुल आदि का क्या महत्व होता है और यह किस तरह से सभी के लिए लाभकारी होता है। इस बात पर सभी की एक राय थी कि उंची बिल्डिंगों का निर्माण बिना समुचित इन्फ्रास्ट्रक्चर के नहीं हो। इस कांफ्रेंस में शिरकत करने आए सभी आर्किटेक्टों, बिल्डरों, सरकारी



क्रान्फ्रेंस उद्घाटन समारोह (बायें से दायें) श्री. मयंक गांधी, प्रिन्स फक्रुद्दीन, श्री. ललित गांधी, श्री. अन्टोनी वूड, श्री. सुदीर जांबेकर

अधिकारियों, विदेशी वक्ताओं, शिक्षाविदों, इंजीनियरों ने टिकाऊ शहरों की पुरजोर वकालत की और कहा कि हम इस आवाज को सदैव उठाते रहेंगे ताकि कंस्ट्रक्शन से जुड़े नीतियों में उचित बदलाव हों जिससे टेक्नालाजी के इस्तेमाल किया जा सके और मुम्बई को वर्ल्ड क्लास सिटी बनाने के सपने को साकार किया जा सके। चूंकि इस कांफ्रेंस में महाराष्ट्र के अलावा गुजरात, कर्नाटक, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर के भी सरकारी अधिकारी आए हुए थे, अतः 'सस्टेनेबल सिटी' की आवाज को देश के कोने-कोने तक पहुंचाई गई।

इस कांफ्रेंस का सबसे दिलचस्प पहलू यह रहा कि इसमें 'इंटरनेशनल स्पाइडरमैन' के नाम से विख्यात अलेन राबर्ट ने भी सबको संबोधित किया। श्री राबर्ट विश्व की बड़ी-बड़ी इमारतों पर बिना सीढ़ियों के चढ़ चुके हैं। वो पेट्रोनास टावर, सीयर्स टावर, ताईपेई 101 पर चढ़ चुके हैं और उन्होंने वादा किया कि अगर मुम्बई में भी ऊंची बिल्डिंग बनाई जाती है तो वे ऐसा करतब इस शहर में भी कर दिखाएंगे।



इस साल में आई.आई.टी. शिकागो के नई बैच के छात्रों ने सी वार्ड को भेट दी। वे अपनी रिडेवलपमेंट की फायनल डिजाइन मई २०१० महीने में प्रस्तुत करेंगे।

सिर्फ १० रु. में ROMF के मेम्बर बनकर फेडरेशन के साथ जुट जाओ।

ROMF के लिए कर्मचारीयोंकी आवश्यकता कार्यालयीन पतेपर सम्पर्क करो।

हमसे संपर्क करें:-

161, छप्पावाला बिल्डिंग, पहली मंजिल, दादी सेठ अगियारी लेन, चीरा बाजार, मुम्बई- 400002  
फोन: 40497999

ईमेल: remakingofmumbai@gmail.com  
website: www.romf.org

# द रिमेकिंग टाइम्स

एक मिशन: मुंबईला वाचवायचे आणि विश्वस्तरीय शहर बनवायचे | रु. ५।

## योजनाबद्ध शहरीकरणावर आधारित भारतातील सर्वात मोठे चर्चासत्र मुंबईत संपन्न

CTBUH व ROMF च्या प्रयत्नांमुळे शहरी योजनेवरील चर्चामंडळ मोठ्या प्रमाणात यशस्वी

दिनांक ३ फेब्रुवारी ५ फेब्रुवारी २०१० ह्या दरम्यान हॉटेल रेनिन्सास अँड कन्व्हेशन सेंटर मुंबई - भारत येथे आयोजित CTBUH-2010 विश्वस्तरीय चर्चासत्रामध्ये १६ देशातील ११५० पेक्षा जास्त प्रतिनिधी, ७२ विश्वस्तरीय वक्ते आणि उच्चपदस्थ प्रमुख सरकारी अधिकारी इ. सर्वांनी एकत्र येऊन पुढाकार घेऊन आपल्या शहरांचा कायापालट करण्यासंबंधी चर्चा केली. रिमेकींग ऑफ मुंबई फेडरेशन आणि कॉन्सिल ऑन टॉल बिल्डींग अँड अर्बन हॅबिटाट (CTBUH U.S.A.) ह्या दोघांनी एकत्रपणे आयोजित केलेल्या चर्चासत्रात प्रथमच वास्तुविशारद, अभियंता, विकासक, प्लानर इ. नी एकाच सुरात भविष्यातील उंच इमारतीबद्दल एकमताने बोलल्यामुळे हे चर्चासत्र खूपच



डोंगटन इको सिटी - चायना

यशस्वी झाले. ह्या तीन दिवसांच्या भरगच्च चर्चासत्रात अगोदर अस्तित्वात असलेल्या शहरांचा पुर्नविकास आणि नविन इको प्रॅडली शहरांचे निर्माण ह्या विषयांवर व्यापक चर्चा झाली. चर्चासत्राचा दुसरा दिवस हा पूर्णपणे मुंबईचा पुर्नविकास व अगोदर मुंबईचे झालेले नुकसान ह्याची भरपाई किंवा दुरुस्ती ह्या बद्दल व्युहरचना ह्या चर्चाला वाहिला होता. श्री. रत्नाकर गायकवाड (आयुक्त एमएमआरडीए), श्री. स्वाधीन क्षत्रिय (आयुक्त बृहन्मुंबई महानगरपालिका), श्री. गौतम चटर्जी (सीईओ आणि व्हीपी म्हाडा) ह्या सर्वांनी आपल्या मुंबई शहराच्या पुर्नबांधणी विषयी त्यांचे मत जागतिक श्रोतृवर्गासमोर मांडले त्यांनी आपल्या प्रदर्शनाद्वारे हे पूर्णपणे दाखवून दिले की आमच्या महत्वाकांक्षेमध्ये उणीव नाही पण अजून आमच्या योजनेमध्ये अधिक पारदर्शकता आणि विविध सरकारी संस्थांच्या एकत्र समन्वयाची गरज आहे. रिमेकींग ऑफ मुंबई

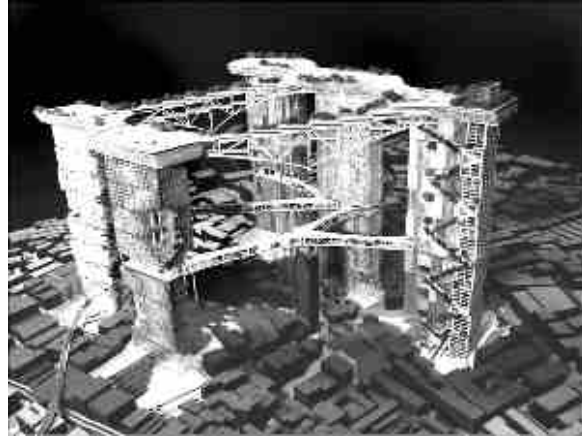


वास्तुविशारद केनचॅंग ने रेखाटलेली हिरवळयुक्त इमारत

फेडरेशनने (ROMF) इनर सिटीजसाठी सामुहिक विकासासंबंधी आपला दृष्टीकोन सांगितला आणि पुढे म्हटले की ३०-७० एकर क्षेत्र एकत्र आले तर त्या जागेचा आपण तेथील स्थानिक वैशिष्ट्यांना धक्का न लावता सर्वांगीण पुर्नविकास करू शकतो. CTBUH चे अध्यक्ष श्री. अँटोनी वूड ह्यांनी त्यांच्या आय.आय.टी. शिकागो येथील विद्यार्थ्यांनी 'सी' वार्ड (काळबादेवी क्षेत्र) पुर्नबांधणी विषयी तयार केलेल्या आराखड्यांचे सादरीकरण केले. त्या आराखड्यांद्वारे एकमेकांशी जोडलेल्या उंच इमारतीमुळे सामाजिक बांधिलकीला उत्तेजन मिळेल आणि तसेच विविध प्रकारचे

बांधकाम उदा. शाळा, व्यापारी संकुल व स्थानिक रहिवाशी इ. एकाच उंच इमारतीमध्ये सामावून घेता येईल. तसेच Saifee Bhurani Upliftment Trust तर्फे होणाऱ्या भेंडीबाजार विभागाच्या पुर्नविकास योजनेची प्रशंसा केली व त्याद्वारे असे दाखविले गेले की शहरी विकासात पारदर्शकता येण्यासाठी पुर्नविकासात सामाजिक बांधिलकी निर्णायक ठरते.

आंतरराष्ट्रीय शहरी आराखड्यांमुळे खूपशा भारतीय वास्तुविशारद व नगररचनाकार ह्यांचे दृष्टीकोन विकसित होण्यास मदत झाली व त्यांना ह्या गोष्टींची जाणीव झाली की शहरांचे आराखडे बनविताना पर्यावरणाला मुख्य प्राधान्य दिले पाहिजे. भविष्यकाळात सर्व जागतिक



आयआयटी शिकागो तर्फे 'सी' वार्ड पुर्नविकास आराखडा

शहरांचा रोख हा हिरवळयुक्त इमारती, पादचारी मार्ग, दुचाकी मार्ग, घनकचरा व्यवस्थापन, सौर व वायु शक्ती, नव्या विविध पध्दतीने इमारतीचे उपयोग आणि मध्यवर्ती गजबजलेला व्यावसायिक विभाग ह्यावर आहे. जगातील काही महत्त्वाच्या शहरांचे नगररचनाकार उदा. मसदार (अबूधाबी), डोंगटन (चायना), सोंगडू (कोरिया) ह्यांनी त्यांचे दृष्टीकोन सांगितले आणि त्यामुळे आपल्या नगररचनाकारांना (Urban Planner) व सरकारी अधिकाऱ्यांना विचार करण्यास काही खाद्य



वास्तुविशारद जेसन पोमेरी तर्फे रेखाटन केलेले रुफ टॉप चे लोकांसाठी वापरतील जागा.

मिळाले. तिथे उंच इमारतींशी संबंधित इमारतींचे दर्शनी भाग, लिफ्ट आणि प्रगत रचनात्मक बांधकाम यांच्याशी संबंधित विविध प्रकारचे तांत्रिक सादरीकरण केले गेले. ह्या सादरीकरणामध्ये सगळ्यांनी खूप आवड दर्शविली. तसेच ह्या चर्चासत्रा दरम्यान संबंधित औद्योगिक प्रदर्शन भरविण्यात आले होते. ह्या चर्चासत्रात 'रिमेकींग सस्टेनेबल सिटीज इन वर्टिकल एज' बद्दल एकमताने निर्णय घेण्यात आला व विकासक, प्लानर, वास्तुविशारद, अभियंता ह्या सर्वांमधील दरी भरण्यास मदत झाली. रचनात्मक बांधकाम आता फक्त जमिनी पूरतेच मर्यादित राहिले नसून त्यांनी आकाशाला गवसणी घातली आहे. सुखसोयीची गरज सर्वांना समान आहे मग ते जमिनीवर असोत किंवा वरील भागात असोत जागतिक वास्तुविशारदांनी आपल्या वास्तुविशारदांना पर्यावरणाचे महत्व व इकोफ्रेंडली तंत्रज्ञान ह्यांची जाणिव करून दिली व विकासाकांना समजावले की मोकळी जागा, उद्याने, बगीचा व पार्किंग इ. चे महत्व काय आहे व त्यामुळेच तुमचा फायदा होणे संभव आहे. रचनात्मक बांधकामाशिवाय उंच इमारतींचे निर्माण होणे शक्य नाही. इमारतींच्या नवनवीन कल्पना संदर्भावर चर्चा केली गेली, व त्यामुळे आपल्या वास्तुविशारदांना जाणिव झाली की फक्त पाश्चात्यांचे अंधानुकरण करून चालणार नाही. चर्चासत्रात



चर्चासत्राचा उद्घाटन सोहळा (डावे ते उजवे) श्री. मयंक गांधी, प्रिन्स फक्रुद्दीन, श्री. ललित गांधी, श्री. अन्टोनी वूड, श्री. सुदीर जांभेकर

प्रत्येकजण मग तो विकासक, वास्तुविशारद, प्लानर, अभियंता, विद्यार्थी किंवा सरकारी अधिकारी असो टिकाऊ इमारतींची वकालत करित होते आणि आता आपण ही त्याबद्दल एकत्र आवाज उठविण्याची गरज आहे आणि त्यासाठी नियमांमध्ये योग्य ते बदल घडवून आणणे व तंत्रज्ञान प्रगत करणे अधिक गरजेचे आहे, त्यामुळे आपल्या शहराचे एका वर्ल्ड क्लास सिटीत रुपांतर होईल. ह्या चर्चासत्रात महाराष्ट्रा व्यतिरिक्त, गुजरात, कर्नाटक, दिल्ली, जम्मू-काश्मिर व इतर अनेक राज्यांचे सरकारी अधिकारी तीनही दिवशी हजर होते व सस्टेनेबल सिटीजच्या आवाज देशातील कानाकोपऱ्यात पोहोचला.

जगातील सर्वात उंच इमारतींवर सहजपणे चढणारा आंतरराष्ट्रीय स्पायडरमॅन अॅलन रॉबर्ट ह्याची ह्या चर्चासत्रातील उपस्थिती हे एक आकर्षण ठरले. पेट्रोनस टॉवर (मलेशिया), सीयर्स टॉवर (शिकागो), तैपाई १०१ (तैवान) इ. टॉवर्सवर तो चढला आहे व त्याने वचन दिले आहे की मुंबईत जर अशा प्रकारची उंच इमारत निर्माण झाली तर ती चढून त्याचे कौशल्या दाखवेल.

सप्टेंबर २००९ मध्ये ET थिंक चर्च च्या राऊंडटेबल चा 'क्रिटीकल इश्यु फॉर रिडेव्हलपमेंट ऑफ इनर सिटीज' ROMF देखील एक हिस्सा होता.



'सी' वार्डला भेट दिलेल्या ह्या वर्षातील आयआयटी शिकागो च्या नविन विद्यार्थ्यांची तुकडी ते आपले पुर्नविकासाच्या अभ्यासावरील आराखडे मे २०१० मध्ये प्रस्तुत करणार आहेत.

फक्त १० रुपयात ROMF चे मेंबर बना आणि फेडरेशनशी नाते जोडा.

ROMF च्या कार्यालयात कर्मचारी पाहिजेत.

अधिक माहितीसाठी कार्यालयीन पत्त्यावर संपर्क करा.

कार्यालयीन पत्ता :-

१६१, छापवाला बिल्डींग, पहिला माळ, दादीसेठ अग्यारी लेन, चौरा बाजार, मुंबई - ४०० ००२. फोन नं. ४०४९७९९९

Email: remakingofmumbai@gmail.com

website: www.romf.org

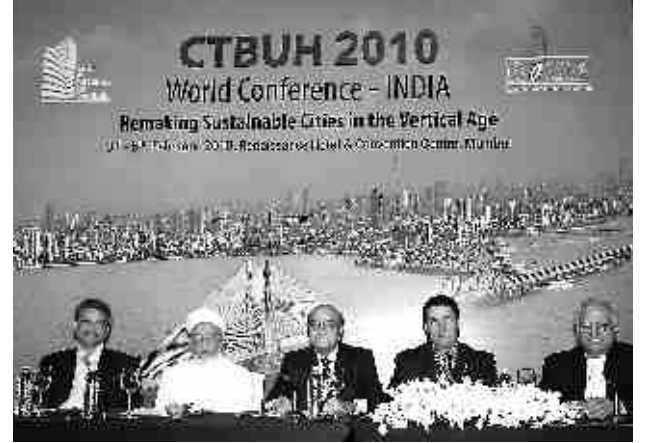
# ધી રીમેકીંગ ટાઈમ્સ

અમુલ્ય જીંદગીઓ બચાવો અને એક સમૃદ્ધ શહેર બનાવો મુંબઈ ને। ર. ૫।

**યોજનાબદ્ધ શહેરીકરણ નાં વિષય ઉપર મુંબઈ માં ભારતની એક મોટામાં મોટી કોન્ફરન્સ ભરાઈ CTBUH અને ROMF રિમેકીંગ ઓફ મુંબઈ ફેડરેશન નાં સંયુક્ત પ્રયત્ન થી શહેરોનાં પ્રાધિકરણ વિષેની ચર્ચાને ઘણીજ સફળતા મળી.**

૧૧૫૦ થી વધુ પ્રતિનિધીઓ જે જૂદાજૂદા ૧૬ દેશોમાંથી આવ્યા હતા અને ૭૨ જેટલા પ્રચલિત અને જાણકાર વક્તાઓ તથા આપણી સરકાર અને સરકારી સંસ્થાઓનાં જાણીતા વડા અધિકારીઓ એકજ છત્ર હેઠળ ભેગાં થઈ શહેરોનાં સુઆયોજિત પુન:બાંધકામનાં વિષય ઉપર CTBUH-2010 વર્લ્ડ કોન્ફરન્સ-ઈન્ડિયામાં મંતવ્યો રજૂ કર્યાં હતાં. ૩ થી ૫ ફેબ્રુઆરી ૨૦૧૦ દરમ્યાન આ કોન્ફરન્સનું આયોજન હોટલ રેનીસન્સ કન્વેન્સન સેન્ટર, મુંબઈ ખાતે થયેલ રીમેકીંગ ઓફ મુંબઈ (ROMF) અને કાઉન્સિલ ઓફ ટોલ બીલ્ડિંગ્સ એન્ડ અરબન હેબીટાટ (CTBUH) નાં સંયુક્ત પ્રયાસથી આ કોન્ફરન્સનું આયોજન થયેલ. આ એક સફળ પ્રયાસ હતો અને જેમાં પહેલી વખત જાણીતા આર્કિટેક્સ, ઇંજનેરો, પ્લાનર્સ, ડેવલપર્સ અને અન્ય વિશેષજ્ઞો એકજ મતથી અને એકી

રીડવલપમેન્ટ પ્લાન સૈફી બુરહાની ઉલ્લર્થ ટ્રસ્ટ દ્વારા રજૂ કરવામાં આવ્યા હતાં. આ એકજ કોમ અને તેમનાં દ્વારા થનારાં સામાજિક મૂળોની જાણવણી થકી શહેરનાં અંતરીયાળ ભાગનાં રીડવલપમેન્ટ માં કેમ સહભાગી થવાય તેની રજૂઆત થઈ હતી.



કોન્ફરન્સનું ઉદ્ઘાટન (ડાબેથી જમણે) શ્રી મયંક ગાંધી, પ્રિન્સ ફકરુદ્દીન, શ્રી લલિત ગાંધી, શ્રી એન્ટની વુડ, શ્રી સુદિર જાંબેકર

મુદ્દો છે. બાંધકામમાં વિવિધતા અને નવાં વિચારોની આપણે થઈ હતી. આપણાં અહીંનાં આર્કિટેક્સ વગેરે ને એક સમજ જરૂર મળી હતી કે પશ્ચિમી દેશોનાં આંધાનુકરણથી પ્રગતિ ન થઈ શકે. કોન્ફરન્સમાં હાજર રહેલાં દરેક વર્ગનાં લોકોમાં આર્કિટેક્સ, ડેવલપર્સ, એન્જનીયરો, પ્લાનર્સ ટ્રેઈનર્સ અને સરકારી ઉચ્ચ ઓફિસરોનું માનવું એકજ હતું કે ઉલ્ટ્રા અને સુધડ (મજબૂત - વેલ પ્લાન્ડ) મકાનો વાળી નગરી બનાવવા માટે એકજ શહેરી પોલીસી અને ઉચ્ચ તકનીકી ગુણવત્તાને લીધે આંતરરાષ્ટ્રીય શહેરીકરણ શક્ય બનશે. આ ચર્ચાસત્રમાં ભારતનાં જુદાજુદા રાજ્યોમાંથી આવેલ ઉચ્ચ સરકારી અધિકારીઓ જેઓ મહારાષ્ટ્ર, ગુજરાત, કર્ણાટક, દીલ્હી, જમ્મુ-કાશ્મીર અને અન્ય રાજ્યોનાં હતાં અને તેઓ ત્રણ દિવસોની ચર્ચાસત્રમાં હાજરી આપીને એક સૂર થયાં હતાં.

એલન રોબર્ટ, જે માનવી સ્પાઈડરમેન તરીકે જાણીતાં છે, જે ગેરકાયદેસર રીતથી ઉચ્ચ મકાનોની દિવાલો ઉપર બહારથી ઉપર ટોચ સુધી પહોંચી જવા માટે જાણીતા છે તે પણ આ ચર્ચા સત્રમાં હાજર રહ્યા હતાં અને તેમણે છેલ્લા ૧૫ વર્ષોમાં પોતાને થયેલા અનુભવોનો પટારો ખોલ્યો હતો. તેઓ છેલ્લા દિવસે આકર્ષણનું કેન્દ્ર બન્યા હતાં. તેમણે તેમનાં ભાષણ દરમ્યાન મલેશીયાનાં પેટ્રોનાસ ટ્રાવર્સ અને શીકાગો શહેરનાં શીયર્સ ટાવર્સમાં પોતે કઈ રીતે ઉપર ચઢ્યા હતાં તે લોકોને જણાવ્યું હતું. તાઈપાઈ નાં ૧૦૧ ટાવરમાં કાયદેસર તેમને પરવાનગી અપાઈ હતી અને હવે પછી મુંબઈ અને અન્ય ભારતીય શહેરોમાં આવનારાં ઉંચા મકાનો ચઢી જવા માટે તેઓ તૈયારી બતાવી હતી.

કોન્ફરન્સની વધુ વિગતો માટે લોગ ઓન કરો [www.ctbuh2010-india.com](http://www.ctbuh2010-india.com) ઉપર અથવા અમને સંપર્ક કરવા માટે ઈમેઈલ દ્વારા સંદેશો મોકલો [remakingofmumbai@gmail.com](mailto:remakingofmumbai@gmail.com) ઉપર.



ડોંગટોન ઇકો સિટી - ચીન

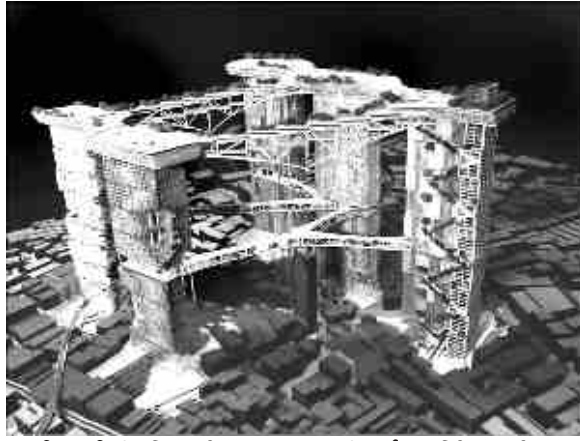
સૂરે વ્યવસ્થિત-ટકાણી શહેરોનાં બાંધકામ અને તેનાં ભવિષ્ય વિષે બોલ્યા હતાં.

ત્રણ દિવસનાં ચર્ચાસત્ર (કોન્ફરન્સ) દરમ્યાન હજારેક વ્યક્તિઓથી ભરચક હોલમાં જૂનાં અને ગીચ શહેરોનાં પુન: બાંધકામ અને નવાં સુયોજિત શહેરો વિકાસવવા પર્યાવરણ અને મૂળભૂત સુવિધાઓને ખ્યાલમાં રાખી ચર્ચાઓ થઈ હતી. ચર્ચાસત્રનાં બીજે દિવસે જે શહેરોમાં વિકાસ થયો છે અને તેને લીધે ક્ષતિઓ ઉત્પન્ન થઈ છે તેની છણાવટ કરી આવનારાં સમયમાં આ ક્ષતિઓ કઈ રીતે દૂર કરી શકાય તેની ઉપર ભાર આપવામાં આવેલ. મુંબઈ શહેરનાં અત્યારનાં મુખ્ય કાર્યાલયો અને તેમનાં અધિકારીઓ જેવા કે શ્રી. રત્નાકર ગાયકવાડ (એમએમઆરડીએ), શ્રી સ્વાધીન ક્ષત્રિય (મ્યુનીસીપલ કમીશનર), શ્રી. ગૌતમ ચેરજી (મુખ્ય અધિકારી અને વાઈસ પ્રેસી. મ્હાડા) વગેરેએ ચર્ચાસત્ર દરમ્યાન હવે પછી થનારાં મુંબઈ શહેરનાં પુન:બાંધકામ ની સમજ આપતાં પ્લાનોને રજૂ કર્યાં હતાં. તેઓનાં રજૂ કરાયેલાં પ્લાનો અને પેપરો ઉપરથી એક વસ્તુ ચોક્કસ છે કે આપણે હજી પણ પુન:બાંધકામ



આર્કિટેક્ટ કેન યંગ દ્વારા ડિઝાઈન કરેલ હરિત ઇમારત

અને વ્યવસ્થાની આશાઓ સાથે જાગૃત છીએ અને હવે આપણે જોઈએ છીએ સરકારી ખાતાઓની સસંગતા અને સંપૂર્ણ સહકારની ભાવના તરફ. રીમેકીંગ ઓફ મુંબઈ ફેડરેશને (ROMF) કલસ્ટર ડેવલપમેન્ટ મધ્યમાં રાખીને આવનારા સમયમાં થનારાં ડેવલપમેન્ટ અને જૂનાં શહેરી માળખામાં કરવામાં આવનારા ફેરફારોની સમજ હાજર રહેલાં ડેલીગેટોને આપી હતી. ૩૦-૭૦ એકર ઉપરનાં જૂનાં મકાનો અને જર્જરીત ઇમારતોની જગ્યાએ નવાં બાંધકામો દરમ્યાન લોકોની સાંસ્કૃતિક અને સામાજિક વ્યવસ્થાઓને અકબંધ રાખી કઈ રીતે ડેવલપમેન્ટ થશે તે દાખવ્યું હતું. શ્રી એન્ટની વુડ, કાર્યકારી ડાયરેક્ટર CTBUH, પણ તેમનાં તરફથી સી-વોર્ડ (કાલબાદેવી-ચીરાબઝાર) નાં અમુક વિસ્તારને ડેવલપ કરી રીતે કરાય તેનાં પ્લાનો તેમનાં વિદ્યાર્થીઓ (IIT, Chicago) દ્વારા તૈયાર કરેલાં તેની રજૂઆત કરી હતી. તેમનાં પ્લાનમાં



આઈ.આઈ.ટી. શિકાગો દ્વારા પ્રસ્તુત સી વોર્ડ ના રિડેવલપમેન્ટ માટેનો પ્રયોજલ

આંતરરાષ્ટ્રીય શહેરીકરણનાં વિષયમાં આ ચર્ચાસત્ર એક સિમાચીન્દ રૂપ થઈ રહ્યું હતું જેમાં જાણીતા અને વ્યવસાયમાં પદાર્પણ કરી રહેલાં ભારતીય પ્લાનર્સ - આર્કિટેક્સ વગેરેઓએ પર્યાવરણ અને ગ્રીન સ્પેસને ધ્યાનમાં રાખી કઈ રીતે શહેરોનાં પ્લાન કરાય છે તે તેમણે જાણ્યું હતું. ભવિષ્યનાં આંતરરાષ્ટ્રીય શહેરોનાં કેન્દ્રમાં હરિત મકાનો, લોકોને ચાલવાની ફૂટપાથો, સાઈકલ સવારો માટે માર્ગો, ઘન કચરા નિવારણ, સૌરશક્તિ અને પવન ચક્કીથી ઉત્પન થનારી વિજળી, આગવાં બહુઉપયોગી મકાનો અને શહેરોનાં ધંધાકીય ગીચતા ભર્યા વિસ્તારોની છણાવટ વગેરે હશે. અબુધાબી સ્થિત માસડરનાં પ્લાનર્સ, ચાઈનાનાં ડોંગટોન, કોરીયાનાં



આર્કિટેક્ટ જેસન પોમિઓરી દ્વારા પ્રસ્તુત મકાનની અગાશી જે પબ્લિક માટેની જગ્યા તરીકે વાપરી શકાય

સોંગડો શહેરોનાં ડેવલપર્સ પણ હાજર રહી તેમના મંતવ્યો રજૂ કરી ભવિષ્યનાં શહેરો વિષે સરકારી અધિકારીઓ માટે વિચાર કરી શકાય તેવી માહિતીઓ આપાઈ હતી.

આ ચર્ચા સત્ર દરમ્યાન અન્ય તાંત્રિક વિષયોની ચર્ચા થઈ હતી. જેમાં ઇમારતોનાં દેખાવ, લીફ્ટ અને એલીવેટર્સો તથા બાંધકામ ઇજનેરી પ્લાનીંગ વગેરે પણ સંપૂર્ણ ચર્ચાયા હતા. આધુનિક મકાનો અને શહેરોનાં નવા વિભાગોમાં વપરાતાં અને વપરાનારા વિવિધ ઉપકરણો તથા અન્ય રીતે જોડાયેલ કંપનીનાં પ્રોડક્ટ્સ અને સર્વિસીઝનું પ્રદર્શન પણ યોજાયેલ.

આ ચર્ચાસત્ર દરમ્યાન એકજ સૂરે અને સર્વસંમતિથી નક્કી કરાયુ હતું કે પુન: બાંધકામ જે મજબૂતીથી નવાં શહેરોનાં ઉંચાઈવાળા મકાનો વિષયે જેમાં ડેવલપર્સ, આર્કિટેક્સ, પ્લાનર્સ અને એન્જનીયર્સ વચ્ચેની સમજ ફેરને દૂર કરવાનો પૂરો પ્રયત્ન કરવામાં આવશે. મૂળભૂત સૂવિધાઓ ફક્ત જમીન ઉપર જરૂરી છે એવું નથી તેની જરૂરીયાત ઉંચાઈવાળા મકાનોમાં આકાશમાં ઉંચાઈ પર પણ જરૂરી છે, સગવડતાઓ દરેકને મળવી જોઈએ વગેરે જમીન ઉપરકે ઉપરનાં લેવલ પર લાગુ પડશે. આંતરરાષ્ટ્રીય સ્તરનાં આર્કિટેક્સ જેઓ ચર્ચા દરમ્યાન પર્યાવરણ અને કૂદરતી વાતાવરણની તરફેણ કરતાં નવાં બાંધકામોમાં ટેકનોલોજીનાં ઉપયોગ ઉપરાંત જરૂરી બાબતોનું ધ્યાન કેમ રાખી શકાય તે આપણાં અહિંનાં આર્કિટેક્સ અને ઇંજનેરોને ટીપ્પણી રૂપે કહી શંભળાવ્યું હતું. આથી સરવાળે દરેક ને ન્યાય મળતાં નફાનું પ્રમાણ પણ વધે છે તે જણાવ્યું હતું. ખુલ્લી જગ્યાઓ, બાગબગીચા અને ઉદ્યાનોની મહત્તા સમજાઈ હતી. આ ચર્ચામાં એકજ સૂર હતો જેમાં ઉંચા બાંધકામોની જોડે જોડે મૂળભૂત સૂવિધાઓનો પૂરેપૂરો વિકાસ કેમ થઈ શકે છે તે મહત્વનો



A fresh batch of Architecture students from the Illinois Institute of Technology, Chicago, studied C-Ward for Redevelopment to present a plan in May 2010

**ROMF ને ટેકો આપો અને રૂ. ૧૦ ની નગણ્ય મામૂલી ફી ભરીને મેમ્બર બનો.**

**ROMF ને કર્મચારીઓની જરૂર છે.**

વધુ વિગતો માટે નીચેના સરનામા ઉપર સંપર્ક કરો:-

૧૬૧, છાપાવાલા બીલ્ડિંગ, ૧ લે માળે, દાદીશેઠ અગીયારી લેન, ચીરા બઝાર, મુંબઈ-૪૦૦ ૦૦૨. ટે.નં. ૪૦૪૯૭૯૯૯

Email: [remakingofmumbai@gmail.com](mailto:remakingofmumbai@gmail.com)

website [www.romf.org](http://www.romf.org)